



दैनिक समाचार पत्र

भारतार्थ

खबर नहीं, उसका अर्थ



देश | समाज | राजनीति | अर्थव्यवस्था | शिक्षा | संस्कृति | दुनिया

दिवाली से पहले मोदी कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें तेज, चुनावी राज्यों पर रह सकता है फोकस



भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। आगामी विधानसभा चुनावों, भाजपा के संगठनात्मक विस्तार और मंत्रियों के बीच कामकाज के बंटवारे जैसे मुद्दों के बीच कैबिनेट में बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, सरकार की ओर से फेरबदल की तारीख, संभावित मंत्रियों या मंत्रालयों में बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में मंत्रियों की छुट्टी, नए चेहरों की नियुक्ति और दिवाली से पहले बड़े बदलाव की खबरों को फिलहाल संभावनाओं के रूप में ही देखा जाना चाहिए। राजनीतिक चर्चाओं

महिला सुरक्षा पर कांग्रेस को घेरकर सवाल, सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर साधा निशाना

भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2026। महिलाओं की सुरक्षा और राजनीतिक जवाबदेही को लेकर कांग्रेस तथा भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अनूपूर्णा देवी ने कांग्रेस नेतृत्व पर महिला सुरक्षा के मुद्दे पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्ढा से सवाल किए। उन्होंने कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम से जुड़े यौन उत्पीड़न के आरोपों और विरोध प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के मामलों को उठाते हुए कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल खड़े किए। मंत्री के बयान से राजनीतिक विवाद गहरा गया है। हालांकि, जिन मामलों का उल्लेख किया गया है, उनमें आरोपों और प्रमाणित तथ्यों के बीच अंतर करना जरूरी है। संबंधित व्यक्तियों का पक्ष और जांच की स्थिति भी निष्पक्ष आकलन के लिए महत्वपूर्ण है। प्रियंका



गांधी के नारे पर उठाए सवाल अनूपूर्णा देवी ने प्रियंका गांधी वाड्ढा के चर्चित नारे 'लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ' का उल्लेख करते हुए पूछा कि महिलाओं से जुड़े गंभीर आरोपों के मामलों में कांग्रेस नेतृत्व की प्रतिक्रिया कहाँ है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम से जुड़े संबंधित आरोपों का भी उल्लेख नहीं की। मंत्री ने जवाहरलाल नेहरू की विश्वविद्यालय (जेएनयू) की 11 छात्राओं से संबंधित आरोपों का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, विश्वविद्यालय ने 9 अक्टूबर को के खिलाफ सेवा से बर्खास्तगी का फैसला लिया था। अनूपूर्णा देवी ने सवाल किया कि कांग्रेस नेतृत्व ने इस प्रकरण पर सार्वजनिक रूप से स्पष्ट रुख क्यों नहीं अपनाया और

और जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ काम करने की इच्छा जताई। इस कदम को राज्य में संगठन विस्तार की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, केवल इस इस्तीफे से मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल की पुष्टि नहीं होती। छह राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 अक्टूबर 2026 को छह मंत्रियों की संसदीय सदस्यता और पदों का सवाल संविधान के अनुच्छेद 75(6) के अनुसार, संसद के किसी भी सदस्य का सदस्य नहीं रहने वाला मंत्री लगातार छह महीने से अधिक मंत्री पद पर नहीं रह सकता। इसलिए जिन मंत्रियों की संसदीय सदस्यता समाप्त होती है, उनके मामले में आगे की राजनीतिक चुनौतियाँ और संभावित फेरबदल से जोड़कर देखा जा रहा है। इन घटनाक्रमों का वास्तविक प्रभाव मंत्रिपरिषद की संरचना पर क्या पड़ेगा, यह आधिकारिक फैसलों के बाद ही स्पष्ट होगा। फेरबदल की चर्चा के पीछे पांच प्रमुख घटनाक्रम एल. मुरुगन का इस्तीफा और तमिलनाडु में संगठन पर जोर केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने 13 अक्टूबर को मंत्री पद और राज्यसभा सदस्यता छोड़ने का फैसला सार्वजनिक किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने

अन्नपूर्णा देवी का सवाल, सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर साधा निशाना

पार्टी स्तर पर क्या कार्रवाई की गई। उन्होंने अकोइजम के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं की जवाबदेही पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, उपलब्ध विवरण के मुताबिक, अकोइजम ने आरोपों से इनकार किया है। ऐसे में मामले के तथ्यों, संबंधित संस्थागत निर्णय और कानूनी स्थिति को अलग-अलग समझना आवश्यक है। सोनिया गांधी से राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के कथित व्यवहार को लेकर उनकी माँ सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी को महिलाओं और जनप्रतिनिधियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के कौन-से संस्कार दिए गए हैं। अनूपूर्णा देवी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने महिलाओं से जुड़े कुछ विवादित घटनाक्रमों पर पर्याप्त प्रतिक्रिया नहीं दी। उनके बयान का उद्देश्य कांग्रेस नेतृत्व को महिला सुरक्षा के मुद्दे पर जवाबदेह ठहराना था। हालांकि, राजनीतिक आरोपों को संबंधित घटनाओं की स्वतंत्र पुष्टि का विकल्प नहीं माना जा सकता।

चुनाव आयोग में बड़े बदलाव:फॉर्म-6 से विवादित शर्त हटाई, फॉर्म-7 पर सीमा और घर-घर सत्यापन

भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2026। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठे विवादों और चुनाव आयोग के कामकाज पर सवालों के बीच निर्वाचन आयोग ने मतदाता पंजीकरण, नाम हटाने की प्रक्रिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और आंतरिक प्रशासनिक व्यवस्था में कई अहम बदलाव किए हैं। इनमें ऑनलाइन फॉर्म-6 से विवादित घोषणा हटाना, फॉर्म-7 के जरिए नाम हटाने संबंधी अर्जियों की संख्या सीमित करना और दस्तावेजों के सत्यापन के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को मतदाताओं के घर भेजने की व्यवस्था प्रमुख है। ये कदम मतदाता सूची की शुद्धता, शिकायतों के निष्पक्ष निपटारे और मतदाताओं की सुविधा से जुड़े हैं। हालांकि, इन बदलावों के बीच आयोग की आंतरिक निर्णय प्रक्रिया और पारदर्शिता को लेकर उठे सवाल



बाद 26 सितंबर को तीनों आयुक्तों की बैठक के पश्चात आंतरिक कामकाज में सुधार के लिए कई निर्देश जारी किए गए। नई व्यवस्था के तहत आयोग की बैठकों से पहले एजेंडा वितरित करने और बैठक के बाद कार्यवाही का विवरण जारी करने की व्यवस्था की गई है। कहा था कि आंतरिक चर्चा के दौरान असहमति होना निर्णय प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है और पिछले एक वर्ष में आयोग के फैसले सर्वसम्मति से

आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। एक मंत्री के पास कई मंत्रालयों की जिम्मेदारी केंद्र सरकार में कुछ मंत्रियों के पास एक से अधिक मंत्रालयों या विभागों का प्रभार है। ऐसे में विभागों के कामकाज, प्रशासनिक समन्वय और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारियों के पुनर्वितरण की संभावना पर चर्चा हो सकती है। यदि सरकार विभागों का अधिक संतुलित बंटवारा करती है, तो नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने का रास्ता खुल सकता है। हालांकि, 'एक मंत्री-एक मंत्रालय' का कोई नया औपचारिक सिद्धांत लागू किए जाने या इसे लेकर अंतिम निर्णय होने की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए, इससे सरकार का घोषित फैसला नहीं, बल्कि संभावित विकल्प के रूप में ही देखा उचित होगा। आगामी विधानसभा चुनावों की राजनीतिक चुनौती वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर सहित कई राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। उत्तर प्रदेश की बड़ी विधानसभा और राष्ट्रीय राजनीति में उसके महत्व के कारण सभी प्रमुख दलों का ध्यान वहां की चुनावी तैयारियों पर रहेगा। गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी 2027 में चुनाव होने हैं, हालांकि उनके चुनावी कार्यक्रम अलग समय पर होने की संभावना है। चुनाव

सुप्रीम कोर्ट मार्च पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई, INDIA गठबंधन के प्रदर्शन को लेकर FIR दर्ज

भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2026। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर दिल्ली में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन अब कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में 12 अक्टूबर को INDIA गठबंधन के नेताओं और समर्थकों ने सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर बिना अनुमति मार्च निकालने और बैरिकेड क्षतिग्रस्त करने के मामले में प्रार्थमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। पुलिस की कार्रवाई से राजनीतिक विवाद और तेज होने की संभावना है। एसआईआर पर आपत्ति, चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध विपक्षी दलों ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया और कथित अनियमितताओं को लेकर

चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने, मतदाता सूची में कथित



गड़बड़ियों की जांच कराने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग शामिल थी। 12 अक्टूबर को राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन के कई वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली में मार्च में भाग लिया। इसी कार्रवाई का आधार कथित रूप से दलित और तेलुगु भाषी प्रदर्शनकारियों के दावे हैं। विपक्ष का कहना है

कि मतदाता सूची में बदलाव और मतदाताओं के नाम हटाए जाने से जुड़े सवालों की न्यायिक समीक्षा आवश्यक है। बिना अनुमति मार्च और बैरिकेड क्षतिग्रस्त करने के आरोप दिल्ली पुलिस के अनुसार, मार्च के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने बैरिकेड हटाने या क्षतिग्रस्त करने के लिए मिनी ट्रक का इस्तेमाल किया। इस संबंध में बाराखंबा रोड और तिलक मार्ग थानों में प्रार्थमिकी दर्ज किए जाने की खबरें सामने आई हैं। पुलिस की कार्रवाई का आधार कथित रूप से प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन और प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाएँ हैं। हालांकि, मामले में दर्ज आरोपों और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की

प्रक्रिया को रोकने की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन हो रहा है। इसी घटनाक्रम के बीच राहुल गांधी प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ मीडिया के सामने आए और प्रदर्शनकारियों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। 'यह देश की आवाज है', छात्रों से बोले राहुल गांधी प्रेस वार्ता के दौरान राहुल गांधी ने छात्रों से एक-दूसरे के कंधों पर हाथ रखकर एकजुटता प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत में धर्म, जाति, लिंग और अन्य पहचानों से ऊपर उठकर लोगों की आवाज को सुना जाना चाहिए। उनके अनुसार, प्रदर्शनकारियों की आवाज को दबाने के बजाय उनकी बात सुनना जरूरी है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी देश की आवाज का प्रतिनिधित्व कर रहे

प्राइवेट नंबर समझकर नहीं उठाया PM मोदी का फोन, 10 कॉल के बाद मिली राज्यपाल बनने की खुशखबरी

भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
रांची, 14 अक्टूबर 2026। कभी-कभी एक अनजान फोन कॉल जिंदगी का बड़ा मोड़ बन जाता है। झारखंड के पलामू से पूर्व सांसद ब्रजमोहन राम के साथ भी ऐसा ही



दिलचस्प वाक्या हुआ। उन्हें ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किए जाने की सूचना मिलने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके मोबाइल पर कई बार फोन किया, लेकिन निजी नंबर देखकर उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। बाद में जब उन्हें पता चला कि फोन करने वाले स्वयं प्रधानमंत्री हैं, तो वे हैरान रह गए। ब्रजमोहन राम ने मीडिया से बातचीत में इस घटनाक्रम का जिक्र करते हुए बताया कि मंगलवार सुबह उनके मोबाइल पर एक निजी नंबर से बार-बार कॉल आ रही थी। करीब 10 बार फोन आने के बावजूद उन्होंने

कॉल नहीं उठाई। उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बात करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 'जोहार' कहकर किया अभिवादन ब्रजमोहन राम के मुताबिक, बाद में उन्हें एक निजी नंबर से सूचना मिली कि प्रधानमंत्री उनसे बात करना चाहते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे बातचीत की और 'जोहार' कहकर अभिवादन किया। बातचीत के दौरान संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई और उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने की जानकारी दी गई। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी उन्हें फोन कर राज्यपाल नियुक्त किए जाने की सूचना दी। बताया गया कि उस समय तक इस खबर को सार्वजनिक नहीं करने के लिए कहा गया था। ओडिशा के राज्यपाल बनने पर झारखंड में खुशी ब्रजमोहन राम को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किए जाने की खबर के बाद झारखंड भाजपा के नेताओं ने प्रसन्नता जताई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री

संजय सेठ ने इसे झारखंड के लिए सम्मान की बात बताया। वहीं, झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने उम्मीद जताई कि ब्रजमोहन राम अपने राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन के अनुभव का उपयोग करते हुए ओडिशा में संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। राज्यपाल का पद संवैधानिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस पद पर नियुक्त व्यक्ति से संविधान के अनुरूप कार्य करने और राज्य सरकार तथा केंद्र के बीच संवैधानिक प्रक्रियाओं का सम्मान बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। एक अनजान कॉल बन गई यादगार घटना इस पूरे घटनाक्रम का सबसे रोचक पहलू यह रहा कि जिस कॉल को ब्रजमोहन राम सामान्य निजी नंबर समझकर नजरअंदाज कर रहे थे, वही उनके लिए देश के प्रधानमंत्री से सीधे बातचीत और नई जिम्मेदारी की सूचना का माध्यम बनी। ओडिशा के राज्यपाल के रूप में उनकी नियुक्ति के साथ अब उनके सामने नई संवैधानिक भूमिका निभाने की जिम्मेदारी होगी। वहीं, निजी नंबर से आए फोन और उसके बाद मिली नियुक्ति की खबर का यह प्रसंग उनके राजनीतिक जीवन की यादगार घटनाओं में शामिल हो गया है।

नहीं इस मामले में कानूनी प्रक्रिया का निष्पक्ष रहना महत्वपूर्ण है। एफआईआर दर्ज होने का अर्थ यह नहीं है कि आरोपित व्यक्ति दोषी साबित हो गया है। जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों, घटनास्थल के रिकॉर्ड और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका का परीक्षण किया जाना आवश्यक है। लोकतांत्रिक अधिकार और कानून का पालन दोनों जरूरी दिल्ली में हुए इस घटनाक्रम ने एक बार फिर लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता सूची के विश्वसनीयता और राजनीतिक विरोध से जुड़े प्रश्न लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। वहीं, प्रदर्शन के दौरान कानून के उल्लंघन के आरोपों की निष्पक्ष जांच भी उतनी ही जरूरी है। इस मामले में आगे की स्थिति पुलिस जांच, उपलब्ध साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया से स्पष्ट होगी।

SIR विवाद पर राहुल गांधी का पुलिस को संदेश: "सबूत संभालकर रखें, दोषियों को सजा दिलाएंगे"

भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2026। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ प्रेस वार्ता कर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने छात्रों से हिरासत में दौरान हुई कथित घटनाओं के वीडियो और अन्य साक्ष्य सुरक्षित रखने की अपील की। राहुल गांधी ने कहा कि मामले के समाप्त होने पर उपलब्ध सबूतों के आधार पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी के बीच पुलिस पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि महत्वपूर्ण होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और देशभर में प

प्रक्रिया को रोकने की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन हो रहा है। इसी घटनाक्रम के बीच राहुल गांधी प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ मीडिया के सामने आए और प्रदर्शनकारियों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। 'यह देश की आवाज है', छात्रों से बोले राहुल गांधी प्रेस वार्ता के दौरान राहुल गांधी ने छात्रों से एक-दूसरे के कंधों पर हाथ रखकर एकजुटता प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत में धर्म, जाति, लिंग और अन्य पहचानों से ऊपर उठकर लोगों की आवाज को सुना जाना चाहिए। उनके अनुसार, प्रदर्शनकारियों की आवाज को दबाने के बजाय उनकी बात सुनना जरूरी है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी देश की आवाज का प्रतिनिधित्व कर रहे

हैं। उन्होंने छात्रों से शांत रहने और घटनाओं का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की अपील की। पुलिस कार्रवाई के साक्ष्य



आयुक्त ज्ञानेश कुमार से लेकर संबंधित अधिकारियों तक के खिलाफ जवाबदेही तय करने की बात भी है। राहुल गांधी के इस बयान से SIR को लेकर जारी राजनीतिक टकराव और तेज होने के संकेत मिले हैं। हालांकि, किसी भी व्यक्ति या अधिकारी की जिम्मेदारी निर्धारित करने के लिए संबंधित साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच और कानून के अनुरूप प्रक्रिया आवश्यक होगी। छात्रा ने हिरासत में मारपीट का लगाया आरोप प्रेस वार्ता में मौजूद NSUI की एक छात्रा ने आरोप लगाया कि हिरासत में लिए जाने के दौरान एक महिला पुलिसकर्मी ने उसे धसीटा और बाद में कनॉट प्लेस पुलिस थाने ले जाया गया। छात्रा के मुताबिक, थाने के कमरा नंबर 107 में साढ़े कपड़ों में मौजूद महिला पुलिसकर्मी ने उसके साथ मारपीट की। उसने दावा किया कि इस कथित मारपीट के कारण उसके पैरों पर नीले निशान पड़ गए

सम्पादकीय

पेपर लीक से प्रतिभा पर सवाल: मेहनती

विद्यार्थियों के भविष्य की जवाबदेही किसकी?



की परीक्षा में देशभर के विद्यार्थी समान शैक्षणिक अवसर की अपेक्षा रखते हैं। किसी छोटे शहर में सीमित संसाधनों के बीच पढ़ने वाला विद्यार्थी हो या बड़े महानगर में महंगे कोचिंग संस्थान से तैयारी करने वाला अभ्यर्थी, दोनों को भरोसा होना चाहिए कि उनकी सफलता का निर्धारण ज्ञान, मेहनत और परीक्षा में किए गए प्रदर्शन से होगा, न कि प्रश्नपत्र तक किसी की अनुचित पहुंच से। प्रश्नपत्र लीक होने की आशंका भी इस भरोसे को कमजोर कर सकती है। यदि किसी अभ्यर्थी को परीक्षा से पहले प्रश्नों की जानकारी मिल जाए और दूसरा विद्यार्थी निर्धारित नियमों के अनुसार ही परीक्षा दे, तो प्रतिस्पर्धा का आधार असमान हो जाता है। इसका असर केवल चयनित विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता। योग्य अभ्यर्थी अवसर खो सकते हैं, परिवारों पर दोबारा तैयारी का आर्थिक बोझ पड़ सकता है और पूरी परीक्षा व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ सकता है। इसलिए प्रश्नपत्र की सुरक्षा को केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया मानना पर्याप्त नहीं है। यह विद्यार्थियों के अधिकारों और अवसरों की समानता से जुड़ा विषय है। जांच जरूरी, लेकिन जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण नीट—यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई ने पहले 13 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। 14 अक्टूबर को महाराष्ट्र के शेषराव बजरंग सूर्यवंशी के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किए जाने की खबर सामने आई। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि उनका संबंध मामले के एक अन्य आरोपी से था और प्रश्नपत्र अभ्यर्थियों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका रही। मामले में अगली न्यायिक कार्यवाही के लिए 22 अक्टूबर की तारीख निर्धारित होने की सूचना भी दी गई है। इन आरोपों पर आंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगा। जांच एजेंसियों की कार्यवाई महत्वपूर्ण है, लेकिन किसी व्यक्ति को आरोपी बनाने या आरोपपत्र दाखिल करने से परीक्षा व्यवस्था की सभी कमियां अपने आप दूर नहीं हो जातीं। यह भी आवश्यक है कि प्रश्नपत्र तैयार करने, उसकी गोपनीयता बनाए रखने, उसे सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और परीक्षा केंद्रों पर निगरानी की पूरी प्रक्रिया की समीक्षा हो। यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। साथ ही, किसी संस्था या व्यक्ति पर निष्कर्ष निकालने से पहले प्रमाण, जांच और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान भी जरूरी है। जवाबदेही का अर्थ केवल दोषियों को दंडित करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना भी है जिसमें अनियमितता की संभावना न्यूनतम हो। डिजिटल सुरक्षा और परीक्षा प्रणाली में सुधार आज प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उनके वितरण और परीक्षा परिणामों के प्रसंस्करण तक तकनीक की भूमिका बढ़ रही है। इससे प्रक्रियाओं को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के अवसर मिलते हैं, लेकिन तकनीकी व्यवस्था में कमजोरियां होने पर जोखिम भी पैदा हो सकते हैं। परीक्षा सुरक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञों की पहुंच सीमित और दर्ज होनी चाहिए। डिजिटल दस्तावेजों के लिए मजबूत अभिगम नियंत्रण, गतिविधियों का रिकॉर्ड, स्वतंत्र सुरक्षा परीक्षण और संदिग्ध गतिविधियों की समय रहते पहचान जैसी व्यवस्थाएँ आवश्यक हैं। प्रश्नपत्र तैयार करने की जिम्मेदारी एक व्यक्ति या सीमित समूह के हाथों में अत्यधिक केंद्रित होने से बचना भी उपयोगी हो सकता है।

भारत-कनाडा संबंधों में नई पहल:व्यापार और भरोसे की दोहरी चुनौती



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com भारत और कनाडा के संबंधों में एक बार फिर सकारात्मक पहल के संकेत दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच 13 अक्टूबर को हुई टेलीफोन वार्ता में दोनों देशों ने व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और जनसंपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने तथा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर बातचीत शीघ्र पूरी करने की प्रतिबद्धता दोहराई। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह भी बताया कि मोदी दिसंबर में कनाडा का दौरा करेंगे। यह घटनाक्रम केवल दो प्रधानमंत्रियों के बीच संवाद तक सीमित नहीं है। यह ऐसे समय में सामने आया है, जब दोनों देश पुराने मतभेदों से आगे बढ़कर आर्थिक अवसरों को विस्तार देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन किसी भी द्विपक्षीय संबंध की वास्तविक मजबूती केवल उच्चस्तरीय मुलाकातों या सकारात्मक वक्तव्यों से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, स्पष्ट नीतियों और जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों से तय होती है। भारत और कनाडा के सामने आज अवसर

भी हैं और चुनौतियां भी। व्यापार बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग को मजबूत करना होगा, जबकि सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर स्पष्टता और जिम्मेदार संवाद बनाए रखना होगा। यही इस साझेदारी की असली परीक्षा है। पुराने मतभेदों से आगे बढ़ने की जरूरत भारत और कनाडा के बीच संबंधों में पिछले कुछ वर्षों के दौरान गंभीर तनाव देखने को मिला। वर्ष 2023 में कनाडा की ओर से खलिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता को लेकर आरोप लगाए गए थे। भारत ने इन आरोपों को खारिज किया था। इस विवाद ने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों और आपसी विश्वास को प्रभावित किया। ऐसे संवेदनशील मामलों में आरोपों, जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बीच अंतर बनाए रखना जरूरी है। किसी भी देश की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए, लेकिन निष्कर्ष प्रमाणों और स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के आधार पर ही निकाले जाने चाहिए। दोनों देशों के लिए यह आवश्यक है कि वे अपने मतभेदों को सार्वजनिक बयानबाजी तक सीमित रखने के बजाय राजनयिक संवाद और कानून के दायरे में समाधान तलाशें। व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए नए अवसर भारत और कनाडा के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता व्यापारिक संबंधों

सहयोग की संभावनाएं ऊर्जा सुरक्षा भारत और कनाडा के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन सकती है। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और कनाडा के ऊर्जा संसाधनों के बीच साझेदारी की संभावनाएं हैं। दोनों देशों ने दीर्घकालीन ऊर्जा आपूर्ति, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति शृंखलाओं में सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी काम किया है। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल कारोबार तथा बाजार तक पहुंच से जुड़े विषयों पर बातचीत महत्वपूर्ण होगी। भारत के लिए कनाडा का बाजार कृषि उत्पादों, दवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, वस्त्रों और इंजीनियरिंग से जुड़े कारोबार के अवसर प्रस्तुत कर सकता है। वहीं कनाडा की कंपनियों के लिए भारत का विशाल बाजार, बुनियादी ढांचे का विस्तार और डिजिटल अर्थव्यवस्था निवेश की संभावनाएं पैदा करते हैं। फिर भी व्यापार समझौते को केवल व्यापार बढ़ाने के लक्ष्य तक सीमित नहीं रखना चाहिए। किसी भी समझौते में घरेलू उद्योगों, किसानों, छोटे कारोबारियों और उपभोक्ताओं के हितों का संतुलन जरूरी है। बाजार तक पहुंच बढ़ाने के साथ गुणवत्ता मानकों, शुल्क संबंधी शर्तों और विवाद निपटान की स्पष्ट व्यवस्था भी होनी चाहिए। समझौते की सफलता का आकलन केवल कुल व्यापार के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी किया जाना चाहिए कि उससे रोजगार के कितने अवसर पैदा हुए, छोटे और मध्यम उद्योगों को कारोबारियों के लिए नियम कितने सरल हुए। ऊर्जा और प्रौद्योगिकी में

सहयोग की संभावनाएं ऊर्जा सुरक्षा भारत और कनाडा के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन सकती है। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और कनाडा के ऊर्जा संसाधनों के बीच साझेदारी की संभावनाएं हैं। दोनों देशों ने दीर्घकालीन ऊर्जा आपूर्ति, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति शृंखलाओं में सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी काम किया है। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल कारोबार तथा बाजार तक पहुंच से जुड़े विषयों पर बातचीत महत्वपूर्ण होगी। भारत के लिए कनाडा का बाजार कृषि उत्पादों, दवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, वस्त्रों और इंजीनियरिंग से जुड़े कारोबार के अवसर प्रस्तुत कर सकता है। वहीं कनाडा की कंपनियों के लिए भारत का विशाल बाजार, बुनियादी ढांचे का विस्तार और डिजिटल अर्थव्यवस्था निवेश की संभावनाएं पैदा करते हैं। फिर भी व्यापार समझौते को केवल व्यापार बढ़ाने के लक्ष्य तक सीमित नहीं रखना चाहिए। किसी भी समझौते में घरेलू उद्योगों, किसानों, छोटे कारोबारियों और उपभोक्ताओं के हितों का संतुलन जरूरी है। बाजार तक पहुंच बढ़ाने के साथ गुणवत्ता मानकों, शुल्क संबंधी शर्तों और विवाद निपटान की स्पष्ट व्यवस्था भी होनी चाहिए। समझौते की सफलता का आकलन केवल कुल व्यापार के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी किया जाना चाहिए कि उससे रोजगार के कितने अवसर पैदा हुए, छोटे और मध्यम उद्योगों को कारोबारियों के लिए नियम कितने सरल हुए। ऊर्जा और प्रौद्योगिकी में

लद्दाख पर बयानबाजी:सीमा की सुरक्षा, संप्रभुता का सम्मान और कूटनीति की असली परीक्षा

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com भारत और चीन के संबंधों में सीमा विवाद एक ऐसा विषय है, जो केवल भूगोल तक सीमित नहीं है। इसका सीमा संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक हितों और एशिया में शक्ति संतुलन से है। लद्दाख को लेकर हाल में दोनों देशों के बीच फिर बयानबाजी तेज हुई है। भारत ने लद्दाख के 28 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के मानकीकृत नाम आधिकारिक मानचित्र पर दर्ज किए जाने पर चीन की आपत्ति को खारिज करते हुए दोहराया है कि लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। दूसरी ओर, चीन ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख की स्थिति और संबंधित नामकरण पर अपनी आपत्ति दोहराई है।यह घटनाक्रम बताता है कि सीमा संबंधी मतभेद केवल सैन्य तैनाती या बातचीत की मेज तक सीमित नहीं रहते; मानचित्र, स्थानों के नाम और आधिकारिक वक्तव्य भी कूटनीतिक संदेश को देने के माध्यम बन जाते हैं। ऐसे समय में भारत के लिए चुनौती है कि वह अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति दृढ़ रुख बनाए रखे, साथ ही संवाद के रास्ते खुले रखकर तनाव को अनावश्यक

कूटनीतिक बयान को तत्काल सैन्य संकट का संकेत मानना भी उचित नहीं होगा। आवश्यक यह है कि भारत घटनाक्रम का आकलन तथ्यों, सुरक्षा संबंधी सूचनाओं और वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर करे।



मानचित्र और नामकरण से आगे संप्रभुता का प्रश्न भारत सरकार ने 2 अक्टूबर को लद्दाख के 28 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के मानकीकृत नाम भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक मानचित्र पर दर्ज किए जाने की जानकारी दी थी। सरकार के अनुसार, इस प्रक्रिया में लद्दाख प्रशासन और स्थानीय पक्षों से परामर्श किया गया। इसका उद्देश्य इन स्थानों की सटीक पहचान और उनके बारे में सार्वजनिक जागरूकता

रूप में स्पष्टता बनाए रखे। साथ ही, सीमा पर वास्तविक स्थिति, संवाद की प्रगति और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों से जुड़े पहलुओं को भी गंभीरता से देखे। दृढ़ता का अर्थ केवल कठोर बयान देना नहीं, बल्कि अपने पक्ष को तथ्यों, प्रमावी प्रशासन और निस्तर कूटनीतिक प्रयासों से मजबूत करना है। राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ सीमावर्ती विकास भी जरूरी लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था अनेक चुनौतियों से जुड़ी है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियां, अत्यधिक ठंड, सीमित संपर्क सुविधाएं और लंबी दूरी पर आवश्यक सामग्री पहुंचाने की कठिनाई सांघात कारोबार को अवरुद्ध कर सकती हैं। सीमावर्ती सड़कों, पुलों, अंतरा नेटवर्क, स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन सुविधाओं का विकास इसलिए महत्वपूर्ण है कि इससे सुरक्षा बलों की परिचालन क्षमता के साथ स्थानीय नागरिकों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। बेहतर बुनियादी ढांचा स्थानीय की घोषित स्थिति स्वतः बदल नहीं जाती। भारत के लिए जरूरी है कि वह अपने आधिकारिक मानचित्रों, प्रशासनिक व्यवस्था और संप्रभुता संबंधी

रुख बनाया गया। चीन ने इस कदम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वह केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख की स्थिति को स्वीकार नहीं करता। भारत ने इस दावे को अस्वीकार कर दिया। इस विवाद का मूल प्रश्न यह है कि किसी

क्षेत्र की संप्रभुता को लेकर दोनों देशों के परस्पर विरोधी दावों का समाधान किस प्रकार हो। किसी स्थान का नाम बदलना या उसे मानचित्र पर दर्ज करना अपने आप में सीमा विवाद का अंतिम समाधान नहीं है। इसी तरह, किसी देश की आपत्ति से दूसरे देश की घोषित स्थिति स्वतः बदल नहीं जाती। भारत के लिए जरूरी है कि वह अपने आधिकारिक मानचित्रों, प्रशासनिक व्यवस्था और संप्रभुता संबंधी

रुख बनाया गया। चीन ने इस कदम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वह केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख की स्थिति को स्वीकार नहीं करता। भारत ने इस दावे को अस्वीकार कर दिया। इस विवाद का मूल प्रश्न यह है कि किसी

बंगाल की खाड़ी में साझा सुरक्षा की नई पहल:घोषणाओं से आगे बढ़ने की चुनौती

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com बंगाल की खाड़ी का क्षेत्र दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण भौगोलिक, आर्थिक और सामरिक क्षेत्र है। समुद्री व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, संपर्क मार्गों और क्षेत्रीय विकास के लिहाज से इसका विशेष स्थान है। लेकिन इसी क्षेत्र के सामने आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, संगठित अपराध, साइबर अपराध और अवैध वित्तीय गतिविधियों जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। इन अपराधों की प्रकृति ऐसी है कि इनकी एक देश अकेले प्रभावी ढंग से इकट्ठा सामना नहीं कर सकता। इसलिए क्षेत्रीय सहयोग अब केवल कूटनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि साझा सुरक्षा की अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। इसी दिशा में भारत में 13 अक्टूबर 2026 को आयोजित बिम्स्टेक (BIMSTEC) के प्रथम गृह मंत्रियों के सम्मेलन का संपन्न होना और दिल्ली घोषणा को अपनाया जाना महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड के प्रतिनिधियों की भागीदारी ने इस बात को रेखांकित किया कि क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रश्न सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। सम्मेलन में आतंकवाद,

मादक पदार्थों और मानव तस्करी, आतंकवादी वित्तपोषण, साइबर अपराध तथा अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने के लिए सहयोग को



मजबूत करने पर जोर दिया गया। साझा चुनौतियों, साझा जिम्मेदारी बिम्स्टेक दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच सहयोग का एक महत्त्वपूर्ण मंच है। इसकी उपयोगिता केवल व्यापार और आर्थिक संपर्क बढ़ाने तक सीमित नहीं है। क्षेत्र में शांति, स्थिरता और भरोसे का वातावरण बनने, इसके लिए

सदस्य देशों के सुरक्षा तंत्रों के बीच समन्वय भी उतना ही आवश्यक है। आतंकवाद की चुनौती इसका स्पष्ट उदाहरण है। आतंकवादी नेटवर्क



कानून के अनुरूप उनके क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें। नशीले पदार्थों की तस्करी पर समन्वित कार्रवाई जरूरी मादक पदार्थों की

समुद्री मार्गों, सड़क संपर्कों, सीमावर्ती क्षेत्रों और डिजिटल वित्तीय प्रणालियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए जलयियों और गिरफ्तारियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि तस्करी के पूरे नेटवर्क की पहचान की जाए, धन के स्रोत और गंतव्य का पता लगाया जाए तथा अवैध कारोबार में इस्तेमाल होने वाले रास्तों और माध्यमों पर निगरानी मजबूत हो। मादक पदार्थों के निर्माण में प्रयुक्त होने वाले रसायनों के अवैध इस्तेमाल पर नियंत्रण और जांच एजेंसियों के बीच सूचनाओं का समयबद्ध आदान-प्रदान भी अहम है। सम्मेलन में बिम्स्टेक के मादक पदार्थ नियंत्रण संबंधी कार्ययोजना और अवैध वित्तीय प्रवाह को रोकने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। अब इन पहलों को सीमा शुल्क, पुलिस, वित्तीय खुफिया इकाइयों और अन्य संबंधित संस्थाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग में बदलना होगा। मानव तस्करी पीड़ितों और सुरक्षा भी प्राथमिकता मानव तस्करी क्षेत्रीय सुरक्षा का ऐसा पक्ष है, जिसमें अपराध नियंत्रण के साथ मानवीय संवेदना और पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा भी जरूरी है। रोजगार, बेहतर जीवन और सुरक्षित भविष्य

सदस्य देशों के सुरक्षा तंत्रों के बीच समन्वय भी उतना ही आवश्यक है। आतंकवाद की चुनौती इसका स्पष्ट उदाहरण है। आतंकवादी नेटवर्क



किसी एक देश की सीमा में सीमित नहीं रहते। ये दूसरे देशों में संपर्क, धन जुटाने, भर्ती, प्रशिक्षण और प्रचार के साधन तलाश सकते हैं। डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने इन गतिविधियों को और जटिल बना दिया है। ऐसे में समय पर खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की निगरानी, जांच एजेंसियों

को बीच सहयोग और अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं का समन्वय महत्त्वपूर्ण हो जाता है। दिल्ली



आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की निंदा की गई है। साथ ही, आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और कहरपंथीकरण को रोकने के लिए सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया है। यह रुख तभी प्रभावी सिद्ध होगा, जब सदस्य देश साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस कार्रवाई में बदलें और

समुद्री मार्गों, सड़क संपर्कों, सीमावर्ती क्षेत्रों और डिजिटल वित्तीय प्रणालियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए जलयियों और गिरफ्तारियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि तस्करी के पूरे नेटवर्क की पहचान की जाए, धन के स्रोत और गंतव्य का पता लगाया जाए तथा अवैध कारोबार में इस्तेमाल होने वाले रास्तों और माध्यमों पर निगरानी मजबूत हो। मादक पदार्थों के निर्माण में प्रयुक्त होने वाले रसायनों के अवैध इस्तेमाल पर नियंत्रण और जांच एजेंसियों के बीच सूचनाओं का समयबद्ध आदान-प्रदान भी अहम है। सम्मेलन में बिम्स्टेक के मादक पदार्थ नियंत्रण संबंधी कार्ययोजना और अवैध वित्तीय प्रवाह को रोकने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। अब इन पहलों को सीमा शुल्क, पुलिस, वित्तीय खुफिया इकाइयों और अन्य संबंधित संस्थाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग में बदलना होगा। मानव तस्करी पीड़ितों और सुरक्षा भी प्राथमिकता मानव तस्करी क्षेत्रीय सुरक्षा का ऐसा पक्ष है, जिसमें अपराध नियंत्रण के साथ मानवीय संवेदना और पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा भी जरूरी है। रोजगार, बेहतर जीवन और सुरक्षित भविष्य

अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाएँ, साक्ष्यों के आदान-प्रदान की कठिनाइयों और प्रत्यर्पण संबंधी जटिलताएँ कई मामलों में जांच को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए पारस्परिक कानूनी सहायता, अपराधियों की पहचान और प्रत्यर्पण से जुड़ी प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाना आवश्यक है। हालाँकि, सुरक्षा सहयोग का अर्थ किसी देश की संप्रभुता या कानूनी अधिकारों की अनदेखी नहीं हो सकता। प्रत्येक कार्रवाई संबंधित देश के कानून, लागू संधियों, मानवाधिकारों और न्यायसंगत प्रक्रिया के अनुरूप होनी चाहिए। साझा सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी जिम्मेदारी है। बिम्स्टेक के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से मुकाबले के लिए एक क्षेत्रीय अभिसमय मार्च 2021 से प्रभावी है। आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता से संबंधित अभिसमय भी इस सहयोग का आधार प्रदान करता है। अब आवश्यकता है कि पहले से मौजूद व्यवस्थाओं का पूरा उपयोग हो और जहाँ प्रक्रियागत कमियाँ हैं, उन्हें दूर किया जाए।

स्टिंग ऑपरेशन विवाद पर कर्नाटक में सियासी घमासान, चलुवरायस्वामी ने कुमारस्वामी को घेरा



भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
संवाददाता कानाराम प्रजापत
बैंगलुरु, 14 अक्टूबर 2026।
कर्नाटक में कथित स्टिंग ऑपरेशन और हासन से जुड़े पेन ड्राइव विवाद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जल संसाधन मंत्री एन. चलुवरायस्वामी ने केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी पर निशाना साधते हुए उन पर अनावश्यक विवाद खड़ा करने और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की छवि को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े मामले

मैसूर दशहरा में कावेरी आरती का भव्य आयोजन, 16 अक्टूबर से केआरएस में गूजेगी सांस्कृतिक छटा

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
संवाददाता टी. मदनलाल
बैंगलुरु, 14 अक्टूबर 2026।
कर्नाटक के प्रसिद्ध नाडा हब्बा मैसूर दशहरा के तहत मांड्या जिले के कृष्णराजसागर (केआरएस) स्थित बृंदावन गार्डन में 16 से 21 अक्टूबर तक कावेरी आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जल संसाधन मंत्री एवं मांड्या जिले के प्रभारी मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को इन कार्यक्रमों का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया है। आयोजन का उद्देश्य कावेरी नदी के प्रति श्रद्धा के साथ कर्नाटक की सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना है। 16 अक्टूबर को होगा कावेरी आरती का उद्घाटन प्राप्त जानकारी के अनुसार, कावेरी आरती का



मदुराई पहुंची ‘संयम वंदन यात्रा’, धर्म, विनय और क्षमायाचना का दिया संदेश

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
मदुराई, 14 अक्टूबर 2026। जैन धर्म के सिद्धांतों में संयम, विनय और क्षमाभाव का विशेष महत्व है। इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद परिवार की ओर से निकाली जा रही ‘संयम

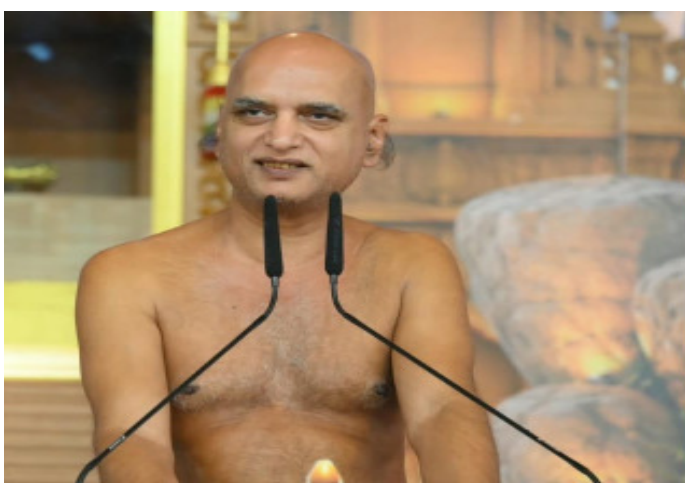
12 वर्षों से निरंतर निकाली जा रही इस यात्रा के दौरान साध्वी भगवंतों के प्रवचन श्रवण किए गए। यात्रियों ने धार्मिक चर्चा के माध्यम से आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा ‘मिच्छामि दुक्कडम’ कहकर क्षमायाचना की। यात्रा का उद्देश्य साधु-साध्वी भगवंतों के सान्निध्य में धर्म, संयम और आत्मचिंतन की भावना

में गंभीर अनियमितताओं या अपराध के प्रमाण सामने आते हैं, तो मामले की जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार की जांच एजेंसियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर सकती हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि केवल आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मामले की वास्तविकता सामने लाने के लिए शिकायत, उपलब्ध साक्ष्य और प्रतिक्रिया कुमारस्वामी के उन बयानों के संदर्भ में आई, जिनमें कथित स्टिंग ऑपरेशन और मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से जुड़े सवाल उठाए गए थे। चलुवरायस्वामी ने व्यंग्यात्मक लहजे में पेन ड्राइव साझा किए जाने के सवाल उठाए और कहा कि राजनीतिक बहस में पेन ड्राइव साझा किए जाने के मुद्दे को प्रमुखता दी जा रही है, जबकि कथित यौन उत्पीड़न से प्रभावित महिलाओं की स्थिति और निजता पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। चलुवरायस्वामी ने पीड़िताओं और उनके परिवारों पर पड़ने वाले सामाजिक तथा

व्यक्तिगत प्रभावों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि पेन ड्राइव के प्रसार या अन्य पहलुओं को लेकर किसी के पास शिकायत और प्रमाण हैं तो उचित माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जानी चाहिए तथा कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इस मामले में आरोपों, जांच की स्थिति और संबंधित व्यक्तियों की कानूनी जिम्मेदारी का निर्धारण सक्षम जांच एजेंसियों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही किया जाना चाहिए। पीड़िताओं की पहचान और निजता की रक्षा भी महत्वपूर्ण है। सिद्धारमैया को लेकर लगाए गए आरोपों पर पलटवार मंत्री ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के राजनीतिक रिकॉर्ड का बचाव करते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण सामने आने चाहिए। उन्होंने कुमारस्वामी पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। चलुवरायस्वामी ने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा और लगाए जाने वाले आरोपों में

गर्भ संस्कार पर वीरसागर जी महाराज का संदेश, संस्कारित पीढ़ी के निर्माण पर जोर

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बैंगलुरु, 14 अक्टूबर 2026।
आधुनिक जीवन की भागदौड़ और



मानसिक दबाव के बीच भावी पीढ़ी के संस्कार निर्माण को लेकर भारतीय परंपराओं में गर्भ संस्कार की अवधारणा महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसी विषय पर दिगंबर जैन संत नियोपक श्रमण

श्री 108 वीरसागर जी महाराज की प्रवचन श्रृंखला में भावी माता-पिता को सकारात्मक चिंतन, नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और

जिम्मेदार अभिभावकत्व के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। 14 अक्टूबर 2026 को जारी इस श्रृंखला के भाग-5 के साथ गर्भाधान संस्कार विधि तथा गर्भावस्था के दौरान

‘स्वच्छ शिकारीपुरा’ का संकल्प लेकर उतरे बी.वाई. विजयेंद्र, सेवा अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बढ़ाया हाथ



भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
संवाददाता गोविन्दलाल
शिकारीपुरा, 14 अक्टूबर 2026।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने शिकारीपुरा में सफाई अभियान में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता और सामाजिक सेवा को फिर आरोप-प्रत्यारोप तेज कर दिए हैं। इस मामले में राजनीतिक बयानबाजी से अलग, निष्पक्ष जांच, साक्ष्यों की विश्वसनीयता और प्रभावित महिलाओं की गरिमा व निजता की रक्षा महत्वपूर्ण बनी हुई है।

प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में विभिन्न सामाजिक और जनसेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उनके अनुसार, अभियान का उद्देश्य समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना और सेवा कार्यों के माध्यम से लोगों को जोड़ना है। सफाई अभियान के तहत भाजपा के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने जोर विजयेंद्र ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान सामान्यतः 15 दिनों तक चलाया जाता है। इस बार अभियान के अंतर्गत रक्तदान शिविर, धार्मिक स्थलों और उनके आसपास स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों तथा समाज कल्याण के कार्यक्रमों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से जनसेवा और सामाजिक

सहभागिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। शिकारीपुरा में आयोजित सफाई कार्यक्रम के दौरान स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों, युवा मोर्चा के प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भागीदारी निभाई। अभियान के जरिए सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और सामुदायिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। जनभागीदारी से मजबूत हो सकता है स्वच्छता अभियान स्वच्छता अभियान की सफलता केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके लिए नियमित सफाई, कचरे का उचित निपटान और नागरिकों की निरंतर भागीदारी जरूरी होती है। ऐसे कार्यक्रमों को सार्वजनिक स्थलों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने में मदद कर सकते हैं। सेवा संकल्प अभियान के तहत शिकारीपुरा में आयोजित कार्यक्रमों ने स्वच्छता और सामाजिक सेवा को प्रमुखता दी। अब इन प्रयासों का स्थायी प्रभाव इस बात पर निर्भर करगा कि स्थानीय स्तर पर स्वच्छता और जनसेवा की गतिविधियां कितनी नियमित रूप से जारी रहती हैं।

मानसिक और आध्यात्मिक तैयारी जैसे विषयों पर भी मार्गदर्शन प्रस्तुत किया गया है। प्रवचनों का प्रमुख उद्देश्य परिवारों में सकारात्मक वातावरण विकसित करने और संतान के पालन-पोषण में संस्कारों की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। सकारात्मक चिंतन और पारिवारिक वातावरण पर जोर गर्भ संस्कार की पारंपरिक अवधारणा में गर्भावस्था के दौरान सकारात्मक विचारों, भावनात्मक संतुलन और नैतिक मूल्यों को महत्व दिया जाता है। वीरसागर जी महाराज के प्रवचनों में माता-पिता की मानसिक तैयारी और पारिवारिक वातावरण को संतान के स्वागत की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया है। प्रवचन श्रृंखला के माध्यम से क्रोध पर नियंत्रण, शांत व्यवहार, प्रेरणादायक साहित्य का अध्ययन, प्रार्थना और आध्यात्मिक चिंतन जैसी आदतों को दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी

गई है। इसका उद्देश्य भावी माता-पिता को अपने व्यवहार और पारिवारिक जिम्मेदारियों के प्रति अधिक सजग बनाना है। गर्भाधान संस्कार और जिम्मेदार अभिभावकत्व ‘गर्भाधान संस्कार विधि’ के माध्यम से दंपतियों को संतानोत्पत्ति से पहले आपसी समझ, मानसिक तैयारी और भविष्य की जिम्मेदारियों पर विचार करने का संदेश दिया गया है। जैन दर्शन के प्रमुख सिद्धांत अहिंसा, संयम, करुणा और आत्मानुशासन को पारिवारिक जीवन में अपनाने पर भी बल दिया गया है। प्रवचनों में गर्भावस्था के दौरान नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, तनाव प्रबंधन और परिवार के सहयोगपूर्ण व्यवहार के महत्व को रेखांकित किया गया है। इन पहलुओं के साथ गर्भवती महिला के स्वास्थ्य और सुरक्षित गर्भावस्था के लिए योग्य चिकित्सक की सलाह तथा आवश्यक चिकित्सा देखभाल का पालन भी जरूरी है। गर्भ संस्कार संबंधी आध्यात्मिक

मान्यताओं को चिकित्सकीय सलाह का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। संस्कारों से संवेदनशील समाज के परिवर्तन या यह प्रवचन श्रृंखला संतान के पालन-पोषण को केवल शारीरिक विकास तक सीमित न रखकर उसके भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक विकास से जोड़कर देखने की प्रेरणा देती है। परिवार में प्रेम, धैर्य, संवेदनशीलता और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देना इसके प्रमुख संदेशों में शामिल है। वीरसागर जी महाराज के इन प्रवचनों के माध्यम से भावी माता-पिता को यह संदेश दिया जा रहा है कि बच्चों के विकास में परिवार का व्यवहार, वातावरण और जीवन-मूल्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्कारों के प्रति जागरूकता और जिम्मेदार अभिभावकत्व की भावना से ही एक संवेदनशील एवं नैतिक समाज के निर्माण की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं। समाचार प्रेषक विपिन कुमार जैन बैंगलुरु।

बैंगलुरु नॉर्थ कापूर्ैशन की पहल:हर शुक्रवार कमिश्नर सुनेंगे जनता की शिकायतें, फोन-इन कार्यक्रम 16 अक्टूबर को

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
संवाददाता कानाराम जाट
बैंगलुरु, 14 अक्टूबर 2026।
बैंगलुरु नॉर्थ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने नागरिक सेवाओं में सुधार और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर शुक्रवार फोन-इन कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल के तहत निगम आयुक्त पोम्माला सुनील कुमार सीधे नागरिकों से बातचीत कर उनकी शिकायतें सुनेंगे। इस सप्ताह कार्यक्रम 16 अक्टूबर, शुक्रवार को सुबह 7 बजे से 9 बजे तक आयोजित किया जाएगा। निगम प्रशासन के अनुसार, इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर देना और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाना है। सड़क, सफाई और स्ट्रीट लाइट सहित कई मुद्दों पर कर सकेंगे शिकायत फोन-इन कार्यक्रम में नागरिक अपने क्षेत्र की सड़कों पर गड़बड़ और मरम्मत, स्ट्रीट

विवरण नागरिकों को एसएमएस के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य शिकायतों का रिकॉर्ड बनाए रखना और नागरिकों

संपर्क विवरण मोबाइल/व्हाट्सएप 9480685705, लैंडलाइन 080-22975936, वैकल्पिक लैंडलाइन 080-23636671, मोबाइल ऐप सहायता



को उनकी शिकायत पर होने वाली कार्रवाई की जानकारी देना है। हालांकि, शिकायतें निगम के मुताबिक, फोन-इन कार्यक्रम के दौरान प्राप्त शिकायतों को ‘सहायता 2.0’ पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। इसके बाद उन्हें कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को भेजा जाएगा। शिकायत दर्ज होने के बाद उसकी जानकारी और संबंधित अधिकारी का

2.0 बैंगलुरु नॉर्थ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की इस पहल से नागरिकों को स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए एक सीधा संपर्क माध्यम मिलेगा। अब इस व्यवस्था की सफलता इस बात से तय होगी कि शिकायतों पर कितनी तेजी से कार्रवाई होती है और नागरिकों को समस्याओं के समाधान की जानकारी कितनी प्रभावी ढंग से मिलती है।

नवग्रह गणेश उत्सव में महेंद्र मुणोत ने किए दर्शन, अन्नदान में की सेवा

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बैंगलुरु, 14 अक्टूबर 2026।
नवग्रह गणेश गोंयज, मारनेहली द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणपति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने अन्नदान

समिति की ओर से मुणोत को सम्मानित भी किया गया। गणेश उत्सव के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में धार्मिक आस्था के साथ सेवा और सामाजिक सहभागिता का संदेश देखने को मिला। अन्नदान कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन

पहुँचाने की भावना को प्रोत्साहित किया गया। आयोजकों ने महेंद्र मुणोत के सहभाग और सेवा के प्रति उनके योगदान के लिए उनका सम्मान किया। कार्यक्रम ने धार्मिक आयोजनों में सामुदायिक सहयोग, सेवा भावना और सामाजिक जुड़ाव के महत्त्व को रेखांकित किया।



बैंगलुरु, गुरुवार , 15 अक्टूबर 2026

प्रादेशिक समाचार

Bhaarataarth.com

4

हरिदासजी के 241वें पुण्य स्मरण दिवस पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब , महेश्वर में भव्य तीर्थ के विकास का संकल्प

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com महेश्वर (खरगोन), 14 अक्टूबर 2026। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में माँ नर्मदा के तट पर स्थित महेश्वर के नृसिंह टेकरी क्षेत्र में आईपंथ के दसवें दीवान संत श्री हरिदासजी का 241वाँ पुण्य स्मरण दिवस श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में मनाया गया। 12 अक्टूबर, सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में सिरवी समाज सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर संत हरिदासजी के आध्यात्मिक योगदान, उनके तपस्वी जीवन और समाज को दिए गए सत्य, सादगी तथा सदाचार के संदेश को याद किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख संदेश हरिदासजी के समाधि स्थल को राष्ट्रीय स्तर पर आईपंथ के प्रमुख तीर्थ के रूप में विकसित करने का संकल्प रहा। आईपंथ के वर्तमान 19वें दीवान माधवसिंहजी ने राजस्थान के बिलाड़ा से वीडियो को कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि माँ नर्मदा के किनारे स्थित हरिदासजी का समाधि स्थल शीघ्र ही पूरे भारत में आईपंथ के एक प्रमुख तीर्थ के रूप में उभरेगा। लोक आस्था में विशेष स्थान रखते हैं संत हरिदासजी आईपंथ की परंपरा और लोकमान्यताओं में



आज भी श्रद्धा के साथ सुनाया जाता है। बताया जाता है कि लोक-प्रशंसा से दूर रहने की भावना से उन्होंने नृसिंह टेकरी पर रघैच्छिक समाधि ली थी। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने उनकी स्मृति में समाधि स्थल पर स्मारक का निर्माण कराया था। आईमाता की आरती में भी इस में आईपंथ के एक प्रमुख तीर्थ के रूप में उभरेगा। लोक आस्था में विशेष स्थान रखते हैं संत हरिदासजी आईपंथ की परंपरा और लोकमान्यताओं में

हरिदासजी के प्रति लोकश्रद्धा को दर्शाती है। धर्म, सदाचार और जनकल्याण का संदेश पुण्य आकाशवाणी के पूर्व कलाकर बाबूलाल परिहार और उनकी मंडली ने संत दीवान हरिदासजी की संगीतमय कथा प्रस्तुत की। श्रद्धालुओं ने कथा का

मान्यता बताते हुए समाज के सभी वर्गों से महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि “सशक्त नारी-सशक्त समाज” के आदर्श को व्यवहार में उतारना आवश्यक है। सिरवी समाज बड़वानी के जिलाध्यक्ष हीरालाल देवड़ा ने भी संत हरिदासजी के व्यक्तित्व और उनके आध्यात्मिक योगदान पर विचार रखे। श्रद्धा निधि अभियान में जुटी सहयोग राशि समाधि स्थल और प्रस्तावित तीर्थ क्षेत्र के विकास के लिए युवाओं की ओर से चलाए जा रहे “श्रद्धा निधि समर्पण” अभियान के तहत विभिन्न गाँवों से एकत्र की गई राशि ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सौंपी गई। छोटी खरगोन की बालिकाओं ने आईमाता के गरबे की आकर्षक प्रस्तुति दी, जिसने कार्यक्रम में भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का रंग भर दिया। कार्यक्रम के दौरान हरिदासजी स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्ष्मण काग ने मंडवाड़ा के अशोक राठौर को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा। इंजीनियर सौरभ परिहार का भी विशेष सम्मान किया गया। निर्माणधीन तीर्थ क्षेत्र का किया अवलोकन कार्यक्रम में देवानंद मुलेवा, महिला प्रदेश महासचिव उमादेवी काग, राधेश्याम

मुकाती, शेखर भायल, लक्ष्मण परिहार, हरिराम कोटवाल, जे.के. सेप्ता, हीरालाल पटेल, शंकरलाल बरफा, शोभाराम चौधरी, भगवान जमादारी, गोविंद कोटवाल, राधेश्याम सेप्ता और संजय बरफा सहित अनेक सामाजिक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सिरवी महासभा की केंद्रीय समिति, प्रदेश और जिला इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ महिला एवं युवा संगठनों की भागीदारी भी रही। खरगोन, बड़वानी, धार और देवास जिलों से आए समाजजनों ने नृसिंह टेकरी पर विकसित हो रहे हरिदासजी तीर्थ क्षेत्र के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश युवा संगठन के महासचिव जितेंद्र लछेटा ने किया। संत हरिदासजी के पुण्य स्मरण दिवस ने एक बार फिर समाज को उनकी आध्यात्मिक विरासत, नैतिक मूल्यों और जनकल्याण की भावना से जोड़ने का अवसर प्रदान किया। अब समाधि स्थल को प्रमुख तीर्थ के रूप में विकसित करने की दिशा में चल रहे प्रयासों से श्रद्धालुओं की अपेक्षाएँ भी जुड़ी हैं। समाचार प्रेषक नारायणलाल सीरवी सेणचा बेंगलुरु।

मेहता मार्केट में जनप्रतिनिधियों का भव्य स्वागत , सांचौर के विकास का लिया संकल्प

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com सांचौर, 14 अक्टूबर 2026। सांचौर के मेहता मार्केट में मंगलवार को मेहता मार्केट व्यापार संघ की ओर से नवनिर्वाचित नगरपालिका चेयरमैन, उप चेयरमैन एवं पार्षदों

स्वागत किया। व्यापारियों की भागीदारी से विकास को गति देने पर जोर समारोह को संबोधित करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष पुरुषोत्तम दवे ने कहा कि शहर के सर्वांगीण विकास और सौंदर्यीकरण के लिए व्यापारियों का सहयोग एवं सुझाव

केवल बदलाव की बात करना नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करके परिणाम सामने लाना होगा। उन्होंने सांचौर को सुंदर और विकसित शहर बनाने के लिए सभी वर्गों के सहयोग को आवश्यक बताया। बाजार की समस्याओं के समाधान की उम्मीद



के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान व्यापारियों ने पुष्पवर्षा कर तथा राजस्थानी साफा और फूलमालाएं पहनाकर जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन किया। समारोह में शहर के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता, बाजार की व्यवस्थाओं और समग्र विकास में व्यापारियों की भागीदारी पर जोर दिया गया। मेहता मार्केट व्यापार संघ के अध्यक्ष दिनेश सारण ने बताया कि समारोह में नगरपालिका अध्यक्ष पुरुषोत्तम दवे, उप चेयरमैन लुणकरण खत्री, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष एवं पार्षद हरिश सीलू तथा पार्षद जेटालाल महेश्वरी का व्यापारियों ने सामूहिक रूप से

महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सांचौर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहर बनाने के प्रयासों को मजबूती मिल सकती है। दवे ने बताया कि शहर के विकास से जुड़े विषयों पर समय-समय पर व्यापारियों के सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। साथ ही, जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने भरोसा जताया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सामूहिक प्रयासों से शहर में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने व्यापारियों से विकास कार्यों में सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि नगरपालिका की टीम का प्रयास

समारोह के समापन पर व्यापार संघ अध्यक्ष दिनेश सारण ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को नई नगरपालिका टीम से शहर के विकास, बाजार की व्यवस्थाओं में सुधार और व्यापारिक समस्याओं के समाधान को लेकर उम्मीदें हैं। सारण ने समारोह में उपस्थित अतिथियों और आयोजन में सहयोग देने वाले व्यापारियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम आपसी सहयोग, जनप्रतिनिधियों और व्यापारिक समुदाय के बीच बेहतर समन्वय तथा सांचौर के विकास के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। समाचार प्रेषक भीखाराम गोदारा धोरीमन्ना सांचौर।

आचार्य जिनोत्तमसूरीश्वरजी की शत्रुंजय तीर्थ पहुंचने की इच्छा पूरी, एयर एम्बुलेंस से पालीताना ले जाने की व्यवस्था

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com मुंबई, 14 अक्टूबर 2026। जैन श्वेतांबर समाज के पूज्य आचार्य भगवंत श्री जिनोत्तमसूरीश्वरजी महाराज की शत्रुंजय महातीर्थ, पालीताना पहुंचने की इच्छा पूरी करने के लिए सेलो समूह के निदेशक एवं गोड़वाड़ के भामाशाह प्रदीपभाई घौसुलाल बढामिया ने तत्परता से सहयोग किया। गंभीर अस्वस्थता के बीच आचार्यश्री को मुंबई से एयर एम्बुलेंस के जरिए पालीताना पहुंचाने की व्यवस्था की गई। इस कार्य में ट्रस्ट मंडल के पदाधिकारियों और संबंधित लोगों ने भी सहयोग किया। 11 जानकारी के अनुसार, रविवार, 14 अक्टूबर को मुंबई के सैफी अस्पताल में उपचाराधीन आचार्यश्री की तबीयत गंभीर हो गई थी। इसी दौरान उन्होंने शान्त्वत तीर्थ शत्रुंजय की पवित्र भूमि पर समय बिताने की भावना व्यक्त की। स्वास्थ्य की नाजूक स्थिति को देखते हुए उन्हें शीघ्र पालीताना पहुंचाने का निर्णय लिया गया। आपात स्थिति में पूरी की गई औपचारिकताएं सामने आईं। ऐसे में



के अनुसार, प्रदीपभाई ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए संबंधित लोगों से समन्वय किया और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराने में मदद की। एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था तथा जरूरी अनुमतियों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आचार्यश्री को रविवार को ही मुंबई से पालीताना ले जाया

गया। गुरुभक्ति और सेवा भावना की समाज ने की सहाहना इस घटनाक्रम को जैन समाज में गुरुभक्ति और सेवा भावना से जोड़कर देखा जा रहा है। समाज के वरिष्ठ सदस्यों, साधु-संतों और श्रावक समुदाय ने प्रदीपभाई बढामिया की तत्परता की सराहना की। उनके अनुसार, कठिन परिस्थितियों में समय पर सहयोग उपलब्ध कराना आचार्यश्री की इच्छा पूरी करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहा। आचार्यश्री की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सकीय निगरानी से संबंधित जानकारी की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। उपलब्ध विवरण में बताया गया है कि पालीताना पहुंचने के बाद वे शत्रुंजय तीर्थ पर चिकित्सकीय निगरानी में हैं और वहां शांतिपूर्वक समय बिता रहे हैं। यह घटनाक्रम धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपात परिस्थितियों में समन्वय और समय पर सहायता के महत्व को भी सामने लाता है। आचार्यश्री के स्वास्थ्य में सुधार की कामना करते हुए समाज के लोगों ने उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की है। समाचार प्रेषक शांतिलाल साकरिया, शिवमोग्गा कर्नाटक।

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

जोहाद, 14 अक्टूबर 2026। असम में कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने, किसानों की क्षमता बढ़ाने और कृषि उत्पादकता में सुधार लाने के उद्देश्य से कृषि एवं सिंचाई मंत्री पीयूष हजारिका ने बुधवार को असम कृषि विश्वविद्यालय (एयू) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। जोरहाट स्थित विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में आयोजित बैठक में सांसद कामाख्या प्रसाद तासा भी उपस्थित रहे। चर्चा के बाद का प्रमुख के द्र वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीक और किसानों तक उपयोगी जानकारी पहुंचाने के लिए सरकारी विभाग तथा विश्वविद्यालय के बीच समन्वय मजबूत करना रहा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, बैठक में विश्वविद्यालय के

कुलपति दीपज्योति राजखोवा और विभिन्न संकायों के डीन ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मंत्री को संस्थान में संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान गतिविधियों और कृषि विकास से जुड़ी पहलों की जानकारी दी। कृषि योजनाओं को अनुसंधान से जोड़ने पर बल बैठक

बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में वैज्ञानिक अनुसंधान और आधुनिक तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए कृषि विभाग और विश्वविद्यालय के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है, ताकि अनुसंधान संस्थानों में विकसित ज्ञान



के दौरान मंत्री पीयूष हजारिका ने राज्य में कृषि विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। उन्होंने किसानों की कार्यक्षमता बढ़ाने, कृषि उत्पादकता में सुधार करने और कृषि क्षेत्र को अधिक मजबूत

और तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ किसानों तक पहुंचा सके। मंत्री ने विश्वविद्यालय से कृषि विभाग को वैज्ञानिक मार्गदर्शन, अनुसंधान आधारित सुझाव और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह

छत्तीसगढ़ पर्यटन को नई उड़ान देने की तैयारी, 500 करोड़ का मिशन और 1,000 करोड़ से अधिक जुटाने की योजना

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com रायपुर, 14 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन की कार्ययोजना तैयार की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महानदी भवन मंत्रालय में पर्यटन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि पर्यटन को स्थानीय रोजगार, स्वरोजगार और क्षेत्रीय आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बनाया जाएगा। मिशन के तहत 500 करोड़ रुपये की मूल निधि प्रस्तावित है, जबकि विभिन्न वित्तीय स्रोतों के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त राशि जुटाने की योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विकास का उद्देश्य केवल पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण या नई सुविधाओं का निर्माण नहीं होना चाहिए। इससे स्थानीय युवाओं, महिलाओं, हस्तशिल्पियों, कलाकारों और छोटे कारोबारियों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने स्थानीय खानपान, लोककला,

हस्तशिल्प और पारंपरिक संस्कृति को पर्यटन गतिविधियों से जोड़कर आय के स्थायी अवसर विकसित करने पर जोर दिया। चित्रकोट से सिरपुर तक प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास की योजना मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन के प्रथम चरण में चित्रकोट जलप्रपात, मैनापाट, सिरपुर, हसदेव बांगो जलाशय और राजिम को प्रमुख पर्यटन गंतव्यों के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा मायाली-बागीचा, चंपारण, सतरंगा, तीरथगढ़, देवराणी-जोतानी, कबीर चबूतरा, केंदई महामाया और चिल्पी घाटी सहित अन्य स्थलों पर भी सुविधाओं का विस्तार करने की योजना बनाई गई है। इन पर्यटन केंद्रों पर बेहतर सड़क संपर्क, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय, पार्किंग, पर्यटन सहायता केंद्र, डिजिटल सूचना प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा और सुख्खा सुविधाओं को सरकारी की योजना में स्थानीय वास्तुकला, प्राकृतिक परिस्थ और सांस्कृतिक विशेषताओं के संरक्षण पर भी जोर दिया गया है। पर्यटन से रोजगार और महिला समूहों को जोड़ने का

लक्ष्य मिशन के तहत 1,000 नए पर्यटन पर्यटन गतिविधियों से जोड़कर आय के स्थायी अवसर विकसित करने पर जोर दिया। चित्रकोट से सिरपुर तक प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास की योजना मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन के प्रथम चरण में चित्रकोट जलप्रपात, मैनापाट, सिरपुर, हसदेव बांगो जलाशय और राजिम को प्रमुख पर्यटन गंतव्यों के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा मायाली-बागीचा, चंपारण, सतरंगा, तीरथगढ़,



पर्यटकों की सहायता और आतिथ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 600 कमियों तथा 500 टूर गाइड और अग्रिम पंक्ति के पर्यटन कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य भी रखा गया है। ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे, स्थानीय व्यंजन, पारंपरिक हस्तशिल्प, लोककला, परिवहन और पर्यटक मार्गदर्शन जैसी सेवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे स्थानीय समुदायों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन से होने वाली आर्थिक गतिविधियों का अधिकतम लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों को विकास योजनाओं में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पर्यटकों की संख्या दोगुनी करने और आवास क्षमता बढ़ाने की तैयारी मिशन में प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या दोगुनी करने और उनके औसत प्रवास की अवधि बढ़ाकर दो दिन करने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यटकों के लिए आवास सुविधाओं का विस्तार करते हुए 12 हजार अतिरिक्त कमरों की क्षमता विकसित करने की कार्ययोजना प्रस्तावित है। इसके लिए होटल, रिसॉर्ट, होमस्टे और अन्य आवासीय सुविधाओं में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने की योजना है। पर्यटन क्षेत्र में 10 से 20 सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाएं विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। इनके माध्यम से कम से कम 1,000 करोड़ रुपये की निजी पूंजी आकर्षित करने का लक्ष्य है। सरकार के अनुसार, इन पहलों से आवास, परिवहन, खानपान और अन्य पर्यटन आधारित सेवाओं का विस्तार हो सकता है। हालांकि, इन लक्ष्यों की

वास्तविक उपलब्धि परियोजनाओं के क्रियान्वयन, निवेश और पर्यटकों की मांग पर निर्भर करेगी। चार प्रमुख और 15 मिनी पर्यटन सर्किट विकसित करने का प्रस्ताव छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटन स्थलों को आपस में जोड़ने के लिए चार प्रमुख पर्यटन सर्किट और 15 मिनी पर्यटन सर्किट विकसित करने की योजना है। प्रमुख पर्यटन मार्गों पर लगभग 15 से 20 मार्ग-सुविधा केंद्र स्थापित करने और करीब 500 पर्यटन संकेतक लगाने का प्रस्ताव है। इन सर्किटों में प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक और जनजातीय पर्यटन स्थलों को शामिल करने पर जोर दिया गया है। इससे पर्यटकों को यात्रा की योजना बनाने, एक से अधिक स्थानों तक पहुंचने और प्रदेश की विविधता का अनुभव करने में सुविधा मिलने की उम्मीद है। डिजिटल सुविधाओं से पर्यटन सेवाओं का होगा विस्तार पर्यटन सेवाओं को तकनीक से जोड़ने के लिए बहुभाषी वेबसाइट, मोबाइल एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सूचना, डिजिटल बुकिंग, ऑनलाइन मुनातन और वास्तविक समय में मार्गदर्शन जैसी सुविधाएं विकसित करने की योजना है।

मंगल गीतों और जयकारों के बीच आईमाता मंदिर में चढ़ाई ध्वजा, नवरात्र में उमड़े श्रद्धालु

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

नवी मुंबई, 14 अक्टूबर 2026। नवरात्र के पावन अवसर पर नवी मुंबई के कलंबोली स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में श्रद्धा और भक्तिभाव का वातावरण रहा। आसोज सुदी तीज, मंगलवार को सीरवी समाज की आराध्य देवी श्री आईमाताजी के मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मंगल गीतों और गाजे-बाजे के साथ ध्वजा चढ़ाई गई। इस दौरान मंदिर परिसर माता के जयकारों से गुंज उठा और समाज के श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पूजा कर सुख-समृद्धि तथा मानव कल्याण की कामना की। नवरात्र के तीसरे दिन आयोजित ध्वजा चढ़ाने के धार्मिक कार्यक्रम में पंडित चोमनकाश शर्मा के सान्निध्य में पूजा-अर्चना संपन्न हुई। जोजावर के बालाराम, सुपुत्र मगाराम भायल के परिवार की ओर से, जो तलोजा स्थित खेतलाजी ट्रेडिंग कंपनी से जुड़े हैं, ध्वजा अर्पित की गई। महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत गाए और गाजे-बाजे के बीच

धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। सामूहिक पूजा में समाज की भागीदारी कार्यक्रम में सीरवी समाज विकास मंडल और महिला मंडल, कलंबोली-पनवेल के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। समाज के पुरुषों, महिलाओं और अन्य



श्रद्धालुओं ने सामूहिक पूजा-अर्चना कर मां आईजी का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर सभी ने मानव मात्र के कल्याण और समाज में सुख-शांति के लिए कार्यक्रम में पंडित चोमनकाश शर्मा के सान्निध्य में पूजा-अर्चना संपन्न हुई। जोजावर के बालाराम, सुपुत्र मगाराम भायल के परिवार की ओर से, जो तलोजा स्थित खेतलाजी ट्रेडिंग कंपनी से जुड़े हैं, ध्वजा अर्पित की गई। महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत गाए और गाजे-बाजे के बीच

संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके। श्रद्धालुओं को वितरित किया प्रसाद ध्वजा चढ़ाने के बाद भायल परिवार की ओर से मंदिर पहुंचे आईभक्तों के लिए केले के प्रसाद और दूध की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। संस्था के सचिव बाबूलाल रुपाराम भायल, राणावास ने समाजकेंद्रों से नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले नौ दिवसीय कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने विशेष रूप से गरबा महोत्सव और हवन-पूजा में सहभागिता के माध्यम से धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने तथा सनातन संस्कृति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने अपूर्व मेलजोल और धार्मिक एकजुटता का परिचय दिया। आयोजन ने नवरात्र के अवसर पर सामूहिक आस्था, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया। समाचार प्रेषक नारायणलाल सिरवी सेणचा बेंगलुरु।